



प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच-WII ने पश्मीना निर्यातकों को प्रमाणन सेवाएं प्रदान करने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली - 5 जनवरी, 2023 - आज पश्मीना परीक्षण/प्रमाणन के लिए एक समर्पित सुविधा स्थापित करने और ईपीसीएच के सदस्यों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुपालन को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए एक समयबद्ध तरीके से पश्मीना निर्यातकों को प्रामाणिक और मान्यता प्राप्त प्रमाणन सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् और भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ, ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने सूचित किया।

भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), देहरादून 1982 में स्थापित MoEFCC, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान है। WII एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित संस्थान है, जो वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और सलाह प्रदान करता है। WII जैव विविधता से संबंधित मुद्दों पर देश भर में सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगा हुआ है और पूरे भारत में वन्यजीवों पर शोध करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संस्थानों के साथ सहयोग करता है। WII के पास विशेषज्ञ 'वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों' की एक समर्पित टीम है और वन्यजीव फोरेसिक और संरक्षण के क्षेत्र में वैज्ञानिक विश्लेषण रिपोर्ट/प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए अनुसंधान और विश्लेषण के लिए उच्च अंत उपकरणों के साथ एक 'अत्याधुनिक' सुविधा है।

यह एमओयू डॉ. एस.पी. यादव, निदेशक- WII और श्री आर.के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक-EPCH ने श्री बिवाश रंजन, एडीजी (WL), MoEFCC; डॉ रुचि बडोला, वैज्ञानिक-जी, डीन और रजिस्ट्रार, WII; डॉ. एस.के. गुप्ता, वैज्ञानिक-एफ और नोडल अधिकारी, वन्यजीव फोरेसिक और संरक्षण आनुवंशिकी (WFCCG) सेल, WII; श्री सी. पी. शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, WFCCG सेल, WII और श्री राजेश रावत, अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक-EPCH की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।

इस एमओयू के माध्यम से, WII देहरादून में ईपीसीएच की टेस्ट लैब चलाने में अपनी तकनीकी जानकारी और सहायता साझा करेगा, क्योंकि वे भारत सरकार द्वारा नामित राजपत्रित वैज्ञानिक विशेषज्ञों में से एक हैं। इससे ईपीसीएच, पश्मीना निर्यातकों को विदेशी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खरीदार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उचित समय सीमा के भीतर एक मान्यता प्राप्त परीक्षण और प्रमाणन सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगा, श्री राजकुमार मल्होत्रा अध्यक्ष-ईपीसीएच ने बताया।

ईपीसीएच देश से दुनिया के विभिन्न स्थलों के लिए हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और हस्तशिल्प वस्तुओं और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि पेश करने के लिए एक नोडल एजेंसी है। वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात रु. 33253.00 करोड़ (US \$ 4459.76 मिलियन) पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 29.49% और डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज करते हुए, ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार द्वारा सूचित किया गया।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

श्री आर.के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक- ईपीसीएच: +91- 9810697868

**PRESS RELEASE****EPCH-WII JOIN HANDS FOR PROVIDING CERTIFICATION SERVICES TO THE PASHMINA EXPORTERS**

NEW DELHI – 5th January, 2023 – Today a MoU has been signed between Export Promotion Council for Handicrafts and Wildlife Institute of India, Dehradun to setup a dedicated facility for Pashmina test/certification and provide authentic and accredited certification services to the Pashmina exporters in a time-bound manner to enable the members of EPCH to meet the compliances in domestic and international market, informed Mr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

Wildlife Institute of India, Dehradun is an autonomous institute of MoEF&CC, Govt. of India established in 1982. WII is an internationally acclaimed Institution, which offers training programs, academic courses and advisory in wildlife research and management. WII is actively engaged in research across the country on biodiversity-related issues and collaborates with national and international organizations and institutions to pursue research on wildlife across India. WII has a dedicated team of expert 'scientists and technologists' and a 'state-of-the-art' facility with high-end equipment for research and analysis for producing scientific analysis reports/protocols in the fields of wildlife forensics and conservation.

The MoU was signed by Dr. S.P. Yadav, Director-WII and Mr. R.K. Verma, Executive Director-EPCH in the presence of Shri Bivash Ranjan, ADG (WL), MoEF&CC; Dr. Ruchi Badola, Scientist-G, Dean & Registrar, WII; Dr. S.K. Gupta, Scientist-F & Nodal Officer, Wildlife Forensic and Conservation Genetics (WFCG) Cell, WII; Mr. C. P. Sharma, Senior Technical Officer, WFCG Cell, WII and Mr. Rajesh Rawat, Addl. Executive Director-EPCH.

Through this MoU, WII will share their technical know-how and assistance in running the EPCH's Test Lab at Dehradun, as they are also one of the Gazetted scientific experts nominated by the Government of India and will enable EPCH to provide an accredited testing and certification services to the pashmina exporters within reasonable timeframes to meet their buyer requirements in overseas and international markets, informed Shri Rajkumar Malhotra, Chairman-EPCH.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores (US \$ 4459.76 Million) registering a growth of 29.49% in rupee term & 28.90% in dollar terms over the previous year, informed by Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH.

For more information please contact:

Mr. R.K. Verma, Executive Director– EPCH: +91- 9810697868

Hindi & English with Photos Enclosed:



(L to R) Dr. Ruchi Badola, Scientist-G & Dean & Registrar, WII; Dr. S.P. Yadav, Director-WII, Mr. R.K. Verma, Executive Director-EPCH; Shri Bivash Ranjan, ADG (WL), MoEFCC at signing of MoU at Dehradun.